महादेव मंदिर के प्रांगण में आयोजित महाशिवरात्रि के पर्व पर सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन में माननीय अध्यक्ष का सम्बोधन

महाकालेश्वर, महादेव के मंदिर के इस प्रांगण में आयोजित महाशिवरात्रि के पर्व पर एक पुण्य का काम भी सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन का होता है। इसके लिए मैं सबको बधाई देता हूं, शुभकामनाएं देता हूं। महाशिवरात्रि के पर्व के दिन यह सामूहिक विवाह सम्मेलन महादेव और पार्वती के विवाह के रूप में भी मनाया जाता है। इसलिए महाशिवरात्रि के इस पर्व पर आपका विवाह बंधन बनना, अपने आप बहुत सुखद है और भगवान आपके सफल जीवन की कामना करता है।

मैं देखता हूं कि हर वर्ष महाकालेश्वर, महोदव मंदिर द्वारा सामूहिक विवाह सम्मेलन और महाशिवरात्रि का पर्व मनाया जाता है। भरत शाक्यवाल जी और उनके सभी पदाधिकारी लगातार इस मंदिर के प्रांगण में महादेव का अभिषेक करते हैं और हर सुख, दुख, कष्ट, संकट को हरण करने के लिए महादेव से प्रार्थना करते हैं। देवों के देव महादेव हमेशा समाज में कोई भी संकट आता है, उस संकट को अपने ऊपर लेते हैं। इसलिए जब समुद्र के अंदर मंथन हुआ तो कौन विष पिए, कौन अमृत पिए और महादेव ने विष पीकर नीलकंठ महोदव कहलाएं। आज महाशिवरात्रि का पर्व हम सब को यही प्रेरणा देता है कि समाज पर कोई भी संकट, आपदा या मुसीबत आए तो आप उस संकट, आपदा, चुनौती को अपने ऊपर लेकर समाज के कल्याण में लगाए। भरत शाक्यवाल जी भी ऐसा ही करते हैं। सोनी जी और उनकी पूरी टीम है, जो महाशिवरात्रि के पर्व पर सामूहिक विवाह सम्मेलन के माध्यम से पुण्य का काम करते हैं। कोई भी आपदा, संकट, मुसीबत हो तो यह समिति आपदा, संकट के समय भगवान शिव के दिए गए संस्कार और संस्कृति के रूप में जन सेवा का पुनीत कार्य करे। हर आपदा, संकट को अपना समझ कर सर्वजन कल्याण का काम करे। मैं इसके लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं।

हमारे बीच में विकास शर्मा जी भी आए हुए हैं और उनकी पूरी टीम आई है। आरती शाक्यवाल जी, जो इस वार्ड की पार्षद हैं। मैं सबको महाशिवरात्रि के पर्व की शुभकामनाएं देता हूं, बधाई देता हूं।